म के लिए कितनी धन-राशि आबंटित की गई ;

(च) क्या अधिकांश रोगियों को बहु-औषधीय चिकित्सा (मल्टी-ड्रग थिरेपी) का लाभ भी दिया जा रहा है ; और

(छ) इस रोग से ग्रस्त क्षेत्रों में क्या विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारा देवी सिद्धार्थ) : (क) इस समय देश में लगभग 24 लाख कुष्ठ रोगी हैं ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान उपचार के अंतर्गत लाए गए और रोग-मुक्ति के बाद छोड़े गए रोगियों की राज्यवार संख्या अनुपत्र में दी गई है । [देखिए परिशिष्ट 164, अनुपत्र सं० 13]

(ग) कुष्ठ रोग से मरने वाले रोगियों के आंकड़े अलग से तैयार नहीं किए जाते हैं क्योंकि मुश्किल से ही कोई रोगी कुष्ठ रोग से मरता है ।

(घ) 1991–92 के दौरान, 23.7 प्रतिशत कुष्ठ रोगी 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे थे ।

(ङ) 1989–90 और 1990–91 दौरान राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कोर्यक्रम के अंतर्गत किया गया वास्तविक कर्च इस प्रकार है :

वर्ष	खर्च
	(लाख रु०)
1989–90	2101.72
1990–91	2306.42

(च) जी हां ।

(छ) 201 जिलों की कुष्ठ रोग के स्थानिकमारी वाले क्षेत्रों के रूप में पहचान की गई है । ऐसे 135 जिलों को नियमित बहु-औषध उपचार (एम० डी० टी०) के तहत पहले ही लाया गया है । शेष 66 डिलों को उपांतरित बहु-औषध उपचार के अधीन लाया गया है ।

आयुर्वेदिक महाविद्यालयों का खोला जाना

620. **श्री अजीत जोगी :**
श्री राजूभाई ए० परमार :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्वा सरकार वर्ष 1992-93 के दौरान नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय खोलने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्र बंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) मध्य प्रदेश में कितने आंयुर्वेदिक महाविद्यालय खोले जाने की संभावना हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारा देवी सिद्धार्थ) : (क) से (ग) केन्द्रीय सरकार का वर्ष 1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश सहित किसी भी राज्य में नए आयुर्वेदिक कालेज खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार आरोप

621. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय के अधीन कार्यरत उपक्रमों और संगठनों में भ्रष्टाचार की सूचनाएं मिली हैं ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कितने अधिकारियों के विरुद्ध

कार्रवाई की गई है और कितने लोगों को नौकरी से निकाला गया है ;

(ग) क्या यह सच है कि भ्रष्टाचार और कदाचार के लिए केवल स्थानांतरण का दंड दिया गया है ; और

(घ) भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी० के० तारा देवी सिद्धार्थ) : (क) जी हां ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान भ्रष्टाचार के आरोप में इस मंत्रालय के अधीन कार्यरत चौदह अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की गई। एक अधिकारी को बर्खास्त किया गया जबकि एक अन्य मामले में पूरी पेंशन स्थायी तौर पर रोक दी गई। शेष मामलों में कार्रवाई की जा रही है।

(ग) जी नहीं ।

(घ) भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ केन्द्रीय सिविल सेवा (सी० सी० एण्ड ए०) नियम के अधीन कठोर कार्रवाई की जाती है।

Prevention of cancer

622. **SHRIMATI VEENA VERMA**: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that it has been globally accepted that at least one third of cancer cases are preventable and another one third are curable if detected in time;

(b) if so, what steps are being taken to make cancer detection facility available to all and to bring it within the reach of the masses; and

(c) the allocation made for the purpose for the years 1991-92 and 1992-93?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SMT. D. K. THARA DEVI SIDDHARTHA): (a) Yes, Sir.

(b) During the Eighth Five Year Plan, more emphasis is being given on prevention and early detection of cancer. Various health education measures are being undertaken to educate the people to create awareness amongst them about the likely causes of cancer, and the ill effects of consumption of tobacco. Under National Cancer Control Programme, a scheme for district projects for prevention and early detection of cancer has been initiated starting from the year 1990-91. Under the scheme financial assistance @ Rs. 15.00 lakhs is provided to the concerned State Government for each district selected for the purpose. Besides, assistance is provided to registered voluntary organisations for undertaking health education and early detection of cancer activities, subject to fulfilment of the prescribed conditions.

(c) During the year 1991-92, an amount of Rs. 120.00 lakhs was provided under the scheme for district projects and an amount of Rs. 20.00 lakhs was provided in favour of Non-government organisations for health education and early detection of cancer. The tentative provision for the year 1992-93 for these two schemes is Rs. 80.00 lakhs and Rs. 20.00 lakhs respectively.

Out-break of Cholera and T.B. in Maharashtra

623. **SHRI SURESH KALMADI**: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government have taken any precautionary measures to prevent